वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 181 | शुक्रवार 25 अक्टूबर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

कला का सम्मान हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा: कलराज मिश्र

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि कला का सम्मान हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है इसलिए हमें कलाकारों की कला को हमेशा सम्मान की दृष्टि से देखना चाहिए तथा उन्हें बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए। मिश्र गुरुवार को नई दिल्ली के बीकानेर हाऊस में आयोजित मशहूर चित्र कलाकार श्रीमती किरण सोनी गुप्ता की पांच दिवसीय कला प्रदर्शनी 'एन आर्ट ओडिसी' के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। मिश्र ने कहा कि इस कला प्रदर्शनी में प्रदर्शित की गई सभी पेंटिंग्स को कलाकार ने अपनी जीवंतता के साथ बनाकर दिखाया है। इस कला प्रदर्शनी में राजस्थान की कला- संस्कृति, हेरिटेज को प्रभावी रूप से दिखाना प्रदेश के लिए गौरव और प्रशंसा की बात है। किरण सोनी गुप्ता ने कहा कि यह प्रदर्शनी 24 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक बीकानेर हाउस के 'लिविंग ट्रेडीशन सेंटर' में चलेगी। कला प्रेमियों के लिए यह प्रदर्शनी निशुल्क रखी गई है जो सुबह 11:00 बजे से शाम 7:00 तक यहां विजिट कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि इस कला प्रदर्शनी की मुख्य कलाकार श्रीमती किरण सोनी गुप्ता 1985 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी है और भारत सरकार और राजस्थान सरकार में इन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों पर काम करते हुए अपनी पेंटिंग्स से देश-विदेश में नाम रोशन किया है। सोनी का 'नरेगा' 'पूजा टाइम्स' और 'शेल्टर्स' आर्टवर्क 2012 , 2013 और 2017 में पेरिस में प्रदर्शित हो चुका है। देश विदेश में कई प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित श्रीमती सोनी का आर्टवर्क बीकानेर हाउस में दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेन्ट समिट

8500 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव हुए प्राप्त

जिला कलक्टर ने उद्योगपतियों एवं निवेशकों से किया संवाद

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर, जयपुर ग्रामीण एवं दूदू जिलों की जिला स्तरीय इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन 8 नवंबर 2024 को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में किया जाएगा। मीट के सफल आयोजन के लिए संपूर्ण जिले के उद्यमियों से संपर्क किया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को जिला प्रशासन, जिला उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, रीको एवं बगरू औद्योगिक एसोसिएशन तथा लघु उद्योग भारती के संयुक्त तत्वावधान में जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन हुआ। जिसमें जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने उद्योगपतियों एवं निवेशकों से संवाद किया। बैठक में निवेशकों की ओर से जिला कलक्टर की मौजूदगी में 8500 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। एम्प्लायर एसोसिएशन के अध्यक्ष एन के जैन ने राशि रुपये 8000 करोड़, एसोसिएशन 200 करोड़, फोर्टी एवं लायंस क्लब द्वारा 200 करोड़ के औद्योगिक निवेश पर सहमति जाहिर की। साथ ही रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में अपार संभावनाओं को तलाश कर इम्प्लीमेंट किये जाने पर जोर दिया। डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि राइजिंग राजस्थान निवेश एवं प्रदेश में औद्योगिक विकास की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होगा। जिला प्रशासन जिले में निवेश के अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है जिसके लिए जिला प्रशासन द्वारा अलग अलग निवेशकों एवं आद्योगिक संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर हजारों करोड़ के निवेश करारों पर सहमति बनाई है।

आचार्य श्री प्रज्ञा सागर महाराज सानिध्य में कल्पतरु पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर का शिलान्यास समारोह संपन्न

आज का दिन भोग व नाश का न होकर दान का है: प्रज्ञा सागर महाराज

झालरापाटन. शाबाश इंडिया। कल्पतरु पार्श्वनाथ 20 पंथी मंदिर के तत्वाधान में गुरुवार को दिगंबर जैन समाज के अति प्राचीन जिनालय कल्पतरु पार्श्वनाथ नसिया के नए मंदिर का शिलान्यास समारोह आयोजित किया गया। तपोभूमि प्रणेता एवं पर्यावरण संरक्षक आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज के सानिध्य में गुरुवार गुरु पुष्य नक्षत्र योग में सुबह 11 बजे नसियां परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिष्ठाचार्य हरियाणा के गुरुग्राम निवासी मुकेश शास्त्री के निर्देशन में मंदिर निर्माण का गुजरात के बड़ौदा निवासी मदन भाई रेखा बेन हुमड़ ने शिलान्यास किया। प्रवक्ता यशोवर्धन बाकलीवाल ने बताया कि यहां पर 10 हजार 800 वर्ग फीट क्षेत्र में एक मंदिर, त्रिकाल चौबीसी, कल्पवृक्ष के नीचे कल्पतरु पार्श्वनाथ भगवान की वेदी, नवग्रह मंदिर का निर्माण कराया जाएगा। जिसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। इस मौके पर समाज के 101 लोगों ने प्रति व्यक्ति 11 हजार रुपए सहयोग राशि भेंट की। कार्यक्रम में स्थानीय समाज के लोगों के अलावा झालावाड़, कड़ोदिया, पिडावा, भवानीमंडी, खानपुर, रटलाई, कोटा, मध्य प्रदेश के सुसनेर, उज्जैन, इंदौर के लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

दान हमारी स्वयं मुक्ति का कारण है: प्रज्ञा सागर महाराज

इस अवसर पर आचार्य श्री प्रज्ञा सागर महाराज ने कहा कि दान हमारी स्वयं की मुक्ति का कारण है। धन की गति तीन प्रकार की होती है। इनमें दान, भोग व नाश है। उन्होंने कहा कि आज का दिन भोग व नाश का न होकर दान का है। हमें अपनी चंचला लक्ष्मी से मूर्ति दान और वेदी दान करके अपने रुपए का दान करना है, यह हमारी स्वयं की मुक्ति का कारण है। उन्होंने बताया कि यहां पर शीघ्र ही मंदिर का निर्माण पूरा होगा और उसका पंचकल्याणक करवाया जाएगा।

नलिन जैन लुहाड़िया से प्राप्त जानकारी
संकलन: अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी

जे एस जी रॉयल ने किए सेवा कार्य, जीव एवं मानव सेवा के साथ किया पौधरोपण

ब्यावर. शाबाश इंडिया। सेवा कार्य में अग्रणी संस्था महावीर इंटरनेशनल रॉयल द्वारा बिजयनगर रोड़ स्थित जैन दादावाड़ी के अंदर पक्षियों को पक्षीदाना एवं बगीचे में पौधरोपण किया गया, इसके बाद तालाब की पाल स्थित महावीर अन्न क्षेत्र में भोजन वितरण किया गया। कोषाध्यक्ष अभिषेक नाहटा ने बताया कि पूजा - रूपेश कोठारी परिवार द्वारा दादावाड़ी में संचालित कबूतर शाला में पक्षीदाना का वितरण एवं राजलक्ष्मी - जितेन्द्र धारीवाल परिवार द्वारा पौधरोपण और महावीर अन्न क्षेत्र में भोजन वितरण किया गया। इस अवसर पर सदस्यों द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु प्लास्टिक के उपयोग को कम से कम करने का संकल्प लेते हुए आम जन में इस हेतु जागृति लाने हेतु प्रयास करने का जोर दिया गया। सहसचिव योगेंद्र मेहता के अनुसार संस्था महावीर इंटरनेशनल के मूल मंत्र सबको प्यार सबकी सेवा के ध्येय को ध्यान में रखकर अपने सदस्यों के सहयोग से जीव एवं मानव सेवा के कार्य करती हैं। वर्तमान में महावीर इंटरनेशनल का स्वर्ण जयंती वर्ष गतिमान हैं जिसमें जीव एवं मानव सेवा के साथ पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य किये जा रहे हैं। कार्यक्रम संयोजक रूपा अशोक कोठारी ने बताया कि इस अवसर पर बाबूलाल आच्छा, दिलीप दक, प्रदीप मकाना, राहुल बाबेल, राजेश सुराणा, रवि बोहरा, वीरेश सांखला, सनाया, लाव्या, अशोक कोठारी, रूपा कोठारी, अभिषेक नाहटा, योगेंद्र मेहता, जितेंद्र धारीवाल, पूजा कोठारी, रूपेश कोठारी आदि सदस्य उपस्थित थे।

निराश्रितों के चेहरे पर भी हो मुस्कान

लायन्स क्लब सेन्ट्रल का खुशियां बाटो अभियान

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा । लायंस क्लब कोटा सेंट्रल दीपावली के त्यौहार पर निराश्रितों को हर्षोल्लास व उमंग के साथ खुशियां बांटने के उद्देश्य से तेजस्विनी बालिका गृह में रह रही निराश्रित व अनाथ बालिकाओं को उनके मनपसंद नए कपड़े दिलाए गये। अध्यक्ष मधु ललित बाहेती ने बताया कि त्यौहार की खुशी मनाने से ये निराश्रित बच्चे दीपावली की खुशियों से वंचित न रहे यह सोच कर तीन से पन्द्रह वर्ष की 35 बच्चियों को पार्टी वियर ड्रेसेज रेखा राजकुमार कहालिया के सौजन्य से भेंट की गईं। ड्रेसेज पाकर सबके चेहरे की खुशी देखते ही बनती थी साथ ही साथ क्लब सदस्यों के सहयोग से बालिकाओं को खुशियों की पोटली जिसमें मिठाई, नमकीन, मठरी, दीपक और फुलझडियां पेक करके भेट की गईं। इस अवसर पर पी डी जी विशाल माहेश्वरी, महिला सशक्तिकरण कॉर्डिनेटर आशा माहेश्वरी, ललित बाहेती, आनंदीलाल कुशवाह, के जी लाहोटी, डा के आर मेहता, राम कृष्ण बागला, मीता बागला, ममता विजय इत्यादि उपस्थित रहे। तेजस्विनी बालिका गृह की प्रभा जी ने क्लब के इस कार्य की सराहना की और धन्यवाद ज्ञापित किया।

जन औषधि को मिला फ्रेंड्स ऑफ फोर्टिस सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल, जयपुर, की ओर से रणथंभोर में आयोजित सम्मान समारोह में देश के सबसे बड़े जन औषधि केंद्र को फ्रेण्डस ऑफ फोर्टिस सम्मान से नवाजा गया। अपनी स्थापना के 17 साल पूरे होने पर फोर्टिस एस्कोर्ट हॉस्पिटल ने सम्मान समारोह आयोजित किया था। रणथंभोर के छारोदा स्थित होटल क्लार्क सफारी में बुधवार रात संपन्न कार्यक्रम में फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल जयपुर के कैंसर सर्जन डॉ मनीष कौशिक, क्रिटिकल केयर यूनिट हैड, पलमोनोलॉजी विशेषज्ञ डॉ विनोद कुमार शर्मा व मार्केटिंग सेल्स मंजीत ग्रोवर ने देश के सबसे बड़े जन औषधि केंद्र के संचालक चंदू शर्मा को सम्मान पत्र प्रदान किया इस मौके पर केंद्र संचालक ने फोर्टिस परिवार को 17 साल से प्रदेश में चिकित्सा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए बधाई दी तथा सामाजिक सरोकार के लिए आभार जताया। इस मौके पर शर्मा ने लोगों से कहा कि वे फोर्टिस जैसे बेहतरीन अस्पतालों में बड़े डॉक्टरों से इलाज करवाकर जन औषधि की उच्च गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाओं का उपयोग करें ताकि इलाज का पैसा बचे और अच्छा स्वास्थ्य प्राप्त हो। शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर भारतीय जन औषधि परियोजना ने जन औषधि केंद्र पर सभी बीमारियों की दवाएँ व सर्जिकल आइटम बाजार की तुलना में 50-90 प्रतिशत कम कीमत पर उपलब्ध करवाई है जिनसे रोजाना हजारों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। कार्यक्रम में शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं एवं समाजसेवियों को सम्मानपत्र प्रदान किये गये हैं। समारोह में बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

वेद ज्ञान

तुलना इरादों को मजबूत बनाती है

अपनी किसी और से तथा किसी और की किसी से तुलना इंसानी व्यवहार का सामान्य लक्षण है। इसे लेकर दो विचार हैं, पहला तुलना करने को ठीक मानता है जबकि दूसरा किसी भी प्रकार की तुलना को उचित नहीं मानता है। दोनों के अपने-अपने तर्क हैं। यूं तो तुलना करना खराब आदत नहीं है। यह जीवन में प्रतिस्पर्धा बढ़ाती है जो प्रगति के लिए जरूरी है। तुलना प्रेरणा का स्नोत भी है। अपने से बेहतर चीजों को देखकर लोग स्वयं में सुधार करने लग जाते हैं। पढ़ाई और खेल में अपने प्रतिद्वंद्वी से तुलना प्रतिस्पर्धा की भावना को जगाती है। नौकरी और व्यवसाय में भी इर्द-गिर्द लोगों को देखकर इंसान तरक्की की ओर उन्मुख होता है। कभी-कभी अपने स्वास्थ्य को लेकर की गई तुलना इरादों को मजबूत ही बनाती है और बेहतर स्वास्थ्य वाले लोगों को देखकर इंसान स्वयं को ठीक करने मे लग जाता है। किसी बीमारी से उबरने के लिए भी ऐसे लोगों के उदाहरण उपयोगी होते हैं जिन्होंने किसी बीमारी से लड़ने में कामयाबी पाई हो। कुछ लोग तो तुलना करके वजन तक घटाने का चमत्कार कर डालते हैं। किसी खराब आदत को छोड़ने के लिए भी हम ऐसे लोगों से प्रेरित हो जाते हैं जिन्होंने मिसाल कायम की होती है। फर्क इस बात से पड़ता है कि तुलना का उद्देश्य क्या है? यदि उद्देश्य सुधार है तो तुलना मे कोई हर्ज नहीं है। तुलना से हानि का संबंध इंसान के हौसले को लेकर है। कमजोर हौसला रखने वाले तुलना से हतोत्साहित भी हो सकते हैं। अपने से बेहतर स्थितियां किसी को ऊर्जा प्रदान करती हैं तो किसी को हीनता। जरूरी नहीं कि हर इंसान प्रतियोगिता के माहौल में सहज ही महसूस करे। कोई व्यक्ति अपने से बेहतर लोगो के बीच रहकर उनसे कुछ सीखता है तो कोई अपने से निम्नतर के बीच रहकर खुश रहता है। इसलिए तुलना का असर व्यक्ति पर निर्भर करता है। तुलना केवल उन्हीं के लिए ठीक है जो उससे प्रेरित होते हैं। जिनके जीवन की शांति इससे भंग होती है उन्हें इधर-उधर की तुलना से बचना ही चाहिए, क्योंकि तुलना बेचैनी का भाव तो लाती ही है जिससे निपटना प्रत्येक के बस की बात नहीं है।

संपादकीय

वैश्विक परिदृश्य में भारत की बढ़ती ताकत

ब्रिक्स सम्मेलन में एक बार फिर भारत और चीन के रिश्तों में गरमाहट लौटती दिखी है। पिछले पांच वर्षों से दोनों देशों के बीच तल्खी बनी हुई थी। हालांकि इस बीच कुछ मौकों पर हमारे प्रधानमंत्री और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकातें जरूर हुईं, मगर द्विपक्षीय वार्ता नहीं हुई थी। ब्रिक्स सम्मेलन में अलग से दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय वार्ता की और परस्पर सहयोग और सम्मान का संकल्प दोहराया। इस वार्ता से एक दिन पहले

दोनों देशों ने पूर्वी लद्दाख में अपनी सेनाओं को पीछे लौटाने और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पुरानी स्थिति बहाल रखने का फैसला किया था। चीन ने दौलतबेग ओल्डी और डेमचोक क्षेत्र में अपना अतिक्रमण हटाने पर सहमति दे दी।अब दोनों देशों की सेनाएं अपने हिस्से के इलाकों में गश्त कर सकेंगी। चीन ने यह भी कहा है कि वह सीमा विवाद सुलझाने में भारत का सहयोग करेगा। अब प्रधानमंत्री की शी जिनपिंग के साथ बातचीत के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि चीन का रुख लचीला हो गया है और वह भारत के साथ दोस्ती बनाए रखना चाहता है। हालांकि यह कोई नाटकीय घटना नहीं है। इसकी पृष्ठभूमि शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन से ही बननी शुरू हो गई थी, जब दोनों देशों के विदेशमंत्रियों ने अलग से बातचीत की थी सच्चाई यह भी है कि चीन बेशक अपनी विस्तारवादी रणनीति के तहत भारत को घेरने का प्रयास करता रहा हो, पर आज की वैश्विक स्थितियों में वह इसके साथ लंबे समय तक तनावपूर्ण रिश्ते बना कर नहीं चल सकता। चीन को मुख्य चुनौती अमेरिका से है। इसलिए अगर चीन को इस चुनौती से पार पाना है, तो उसे भारत के साथ रिश्ते मधुर बनाकर रखने ही होंगे। ब्रिक्स का गठन ही इस मकसद से हुआ था कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में अमेरिका और यूरोपीय देशों के दबदबे को कमजोर किया जा सके। फिर, अमेरिका और यूरोप ने जिस तरह यूक्रेन को रूस के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश की, उससे रूस के सामने भी चुनौतियां बढ़ गई थीं। उसने चीन के साथ नजदीकी बढ़ा ली। मगर गलवान सैन्य संघर्ष के बाद चीन और भारत के बीच तल्खी कायम रहने से इस समीकरण में बाधा आ रही थी। इसलिए रूस भी चाहता था कि भारत और चीन अपने मतभेद जल्दी सुलझा लें। फिर, भारत के बिना ब्रिक्स देशों के संगठन में मजबूती कभी नहीं आ सकती। अच्छी बात है कि चीन ने इस तकाजे को समझा और भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ा दिया। भारत की अहमियत चीन के लिए भी बड़ी है। भारत अब भी उसका सबसे बड़ा व्यापारिक साझीदार है। फिर, जिस तरह भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है और तकनीकी क्षेत्रों में लगातार भारत न केवल आत्मनिर्भर बन रहा है, बल्कि दवा उत्पादन, सेमीकंडकटर आदि के मामलों में दुनिया के बहुत सारे देशों के लिए एक बड़े सहयोगी के रूप में दिखने लगा है, ऐसे में चीन उसकी अनदेखी नहीं कर सकता। वैश्विक दक्षिण के तमाम देशों को भारत पर भरोसा है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

संबंधों में सुधार

रूस में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति के बीच द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों के संबंध सामान्य होने की संभावना बढ़ अवश्य गई है, लेकिन इसमें समय लगेगा, क्योंकि बीते चार वर्षों में चीन ने अपनी हरकतों से भारत का भरोसा खोने का काम किया है। भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति के बीच करीब पांच वर्षों के बाद विस्तार से वार्ता इसीलिए हो सकी, क्योंकि चीन देपसांग एवं डेमचोक से अपनी सेनाएं पीछे हटाने और सीमा पर निगरानी की पहली वाली स्थिति बहाल करने पर सहमत हुआ। यह अच्छा हुआ कि प्रधानमंत्री मोदी ने चीनी राष्ट्रपति को संबोधित करते हुए इस पर जोर दिया कि सीमा पर शांति रहनी चाहिए और आपसी विश्वास एवं सहयोग को बढ़ावा देने के साथ एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान किया जाना चाहिए। यह कहना आवश्यक था, क्योंकि चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत की संवेदनशीलता की परवाह नहीं की जाती। इसका प्रमाण यह है कि वह कभी कश्मीर तो कभी अरुणाचल प्रदेश को लेकर मनगढ़ंत दावे करता रहता है। इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि चीन किस तरह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मोहरे की तरह इस्तेमाल करता है। इस क्रम में वह पाकिस्तान के उन आतंकियों का संयुक्त राष्ट्र में बचाव तक करता है, जो भारत के लिए खतरा हैं। ऐसे में भारत का उसके प्रति संशकित रहना स्वाभाविक ही है। यह ठीक है कि रूस में भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति की मुलाकात के बाद दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधि भी शीघ्र मिलेंगे।

इस मेल-मुलाकात में विश्वास बहाली के उपायों पर चर्चा हो सकती है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि ऐसा पहले भी हो चुका है। अब चीन को यह आभास कराया जाना चाहिए कि उसने पहले गलवन और फिर अन्य स्थानों पर नियंत्रण रेखा में यथास्थिति बदलने के जो प्रयत्न किए, उसने ही दोनों देशों के संबंधों को पटरी से उतारने का काम किया। इसके लिए चीन अपने अलावा अन्य किसी को दोष नहीं दे सकता। भारत को चीन से संबंध सामान्य करने की दिशा में आगे बढ़ने के पहले इसकी पड़ताल करनी चाहिए कि कहीं वह फिर से वैसी हरकत तो नहीं करेगा, जैसी डोकलाम, गलवन, देपसांग आदि में की। यह ध्यान रहे कि अतीत में चीन ने अपने अतिक्रमणकारी रवैये को तभी छोड़ा है, जब भारत ने यह जताने में संकोच नहीं किया कि वह बहुपक्षीय सहयोग के ब्रिक्स और एससीओ जैसे संगठनों को अपेक्षित महत्व देने से इन्कार कर सकता है। इस बार चीन इसलिए भी झुका, क्योंकि उसे यह आभास हुआ कि भारत का असहयोग उसके आर्थिक हितों पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। निःसंदेह संबंध सामान्य होने से चीन के आर्थिक हित सधेंगे, लेकिन भारत को अपने आर्थिक हितों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी।

भूमि पूजन के शुभारंभ में डॉ. इन्दु जैन द्वारा प्रस्तुत 'णमोकार महामंत्र' से गूंजा भारत के सुप्रीम कोर्ट का परिसर

सर्वधर्म प्रार्थना के सफल आयोजन में राकेश जैन ने निभाई संयोजक की महत्त्वपूर्ण भूमिका

नई दिल्ली

भारत के सर्वोच्च न्यायालय के विस्तार भवन के भूमिपूजन समारोह में भारत के मुख्य न्यायाधीश डॉ. धनंजय वाई चंद्रचूड़ और भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की उपस्थिति में आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल, विधि और न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल, भारत के अटॉर्नी जनरल तुषार मेहता, भारत के सॉलिसिटर जनरल मनन कुमार मिश्रा, अध्यक्ष, बार काउंसिल ऑफ इंडिया कपिल सिब्बल, अध्यक्ष, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन विपिन नायर, अध्यक्ष, सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन आदि अनेक सुप्रीम कोर्ट के गणमान्य व्यक्तियों के सानिध्य में सुप्रीम कोर्ट की एनेक्सी बिल्डिंग के पास, मुख्य परिसर में आयोजित भव्य शिलान्यास समारोह में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। भारत और विदेश की सम्पूर्ण जैन समाज के लिए यह गौरवान्वित क्षण था क्योंकि संसद भवन की तरह सुप्रीम कोर्ट अपनी नई आधार शिला रखी है और उसका आगाज भारत की शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता प्राप्त सर्वप्राचीन प्राकृत भाषा में निबद्ध, विश्व शांति दायक 'णमोकार महामंत्र' का पवित्र उच्चारण डॉ. इन्दु जैन राष्ट्र गौरव ने किया। णमोकार महामंत्र की मंगल ध्वनि से पूरे सर्वोच्च न्यायालय का परिसर गूंज गया जिसकी सभी अतिथियों ने प्रशंसा की। डॉ. इन्दु राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जैन धर्म का प्रतिनिधित्व करती हैं। डॉ. इन्दु जैन भारत सरकार के राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग में विशेषज्ञ सलाहकार सदस्य भी हैं और आपने नवीन संसद भवन के भूमि पूजन एवं उद्घाटन समारोह में भी जैन धर्म का प्रतिनिधित्व भी किया था। इस सम्पूर्ण सर्वधर्म प्रार्थना सभा के संयोजन का कार्य सुप्रीम कोर्ट भूमि पूजन के आयोजकों ने राकेश जैन को सौंपा था। उन्होंने कुशलता पूर्वक इसके आयोजन में अपनी मुख्य भूमिका निभाई और इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में सर्वधर्म प्रार्थना सभा के आयोजन की सभी विशिष्ट अतिथियों ने प्रशंसा की। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश, एडवोकेट, विशिष्ट अतिथियों के साथ अतिथि के रूप में समाजसेवी हेमचंद जैन, सुखराज सेठिया (अध्यक्ष-तेरापंथ), विद्वान प्रो. अनेकान्त जैन (सम्पादक -पागद भासा) डॉ. अमित जैन (सम्पादक -चाणक्य वार्ता) भी इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने। जहाँ दुर्लभ होता है वहां जिनधर्म की पताका फहराने और भारत के ऐतिहासिक आयोजनों में जैन धर्म की गौरवपूर्ण प्रभावना करने के लिए डॉ. इन्दु एवं राकेश जैन को सम्पूर्ण जैन समाज ने बधाइयां दीं। गणमान्य विभूतियों की उपस्थिति में सर्वधर्म प्रार्थना में डॉ. इन्दु के ''णमोकार महामंत्र'' की प्रथम शुरूआत से लेकर डॉ. बलदेव आनंद, जे.पी.मिश्रा (वैदिक), गुरवचन सिंह, गुरुवक्ष (सिख) फादर मोनसे, लून (क्रिश्चियन), कास्तु सेन, तुंडुप (बौद्ध), मराजबन (पारसी) डॉ.अंसार अहमद (इस्लाम) आदि प्रमुख धर्मों के विशेष मंत्रोच्चार और प्रार्थना के साथ देश की सर्वोच्च न्यायालय का भूमि पूजन, भारत की गौरवशाली सांस्कृतिक और धार्मिक एकता की परंपरा को प्रकाशित करता है ।

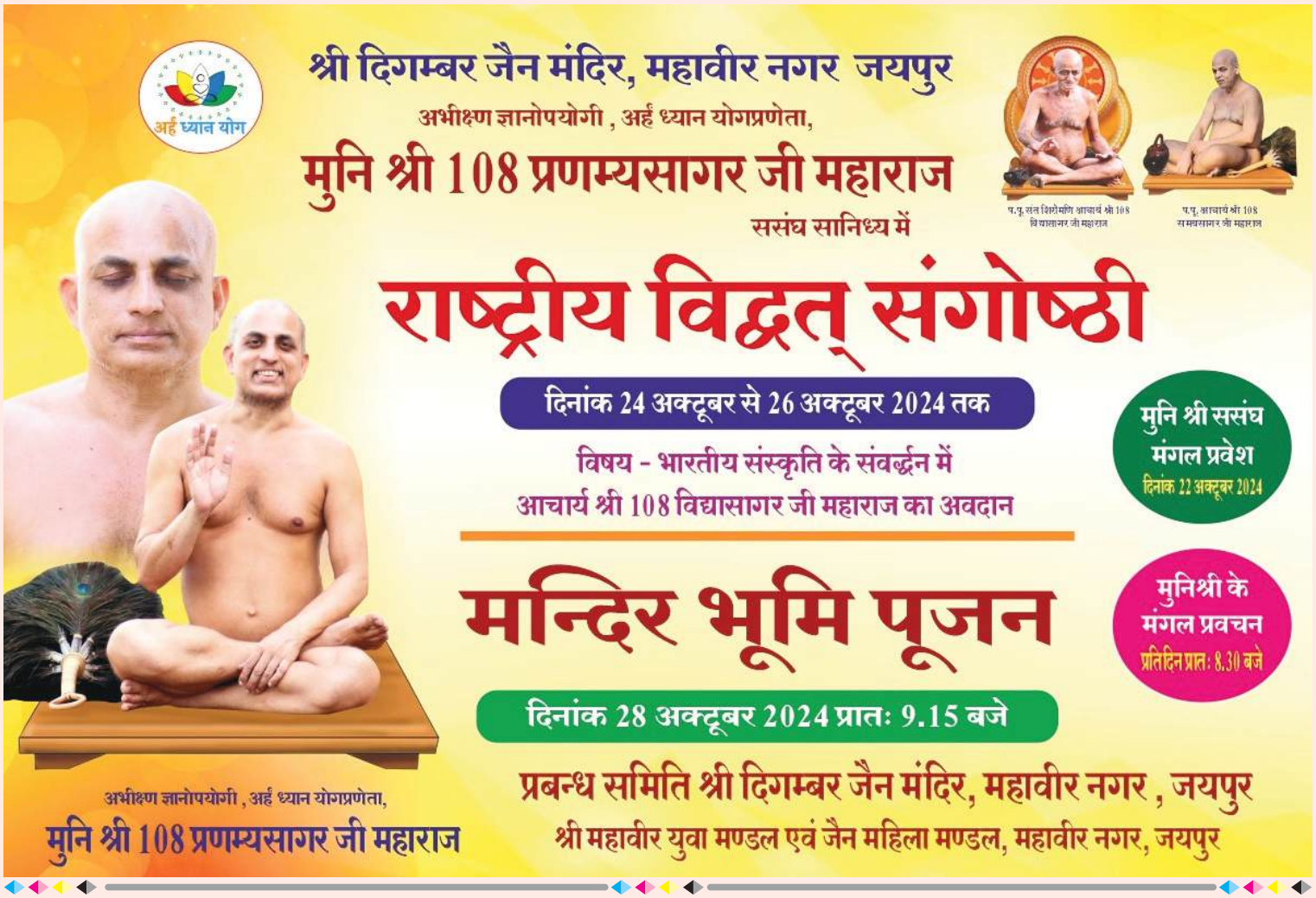

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर शालीमार एनक्लेव में संपन्न हुआ नवीन "ज्ञान सदन" संत निकुंज का भूमि शिलान्यास समारोह

आगरा. शाबाश इंडिया

24 अक्टूबर को श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर शालीमार एनक्लेव कमला नगर आगरा के निकट ज्ञान सदन संत निकुंज का भव्य शिलान्यास समारोह मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में सानंद संपन्न हुआ जिसमें सर्वप्रथम मंदिर जी में ध्वजारोहण करने का सौभाग्य ज्ञान सदन के निदेशक एवं मुख्य ट्रस्टी रूपेश जैन चांदी वाले एवं केके जैन चांदी वाले परिवार ने प्राप्त किया। तत्पश्चात आचार्य श्री विराग सागर जी महाराज एवं आचार्य श्री 108 ज्ञान सागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वल समाज के सुरेश जैन द्वारा किया गया जिसमें मंगलाचरण बालिका द्वारा प्रस्तुत किया गया, सौभाग्यशाली हफ्तों ने उपाध्याय संघ के समक्ष शास्त्र भेंट किए जाते उपाध्यक्ष श्री का पाठ पश्चात करने का सौभाग्य समस्त नवीन ज्ञान सदन में कमरा प्रदाता है परिवारो को प्राप्त हुआ। इस दौरान अर्पितमय पावन वषायोग समिति एवं ग्रेटर कमला नगर समाज के साथ ही समस्त आगरा शहर से उपस्थित आगंतुकों द्वारा उपाध्याय संघ के श्री चरणों में श्रीफल भेंट कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इसी अवसर पर मंदिर व्यवस्था समिति एवं उपाध्यक्ष मुनि श्री ज्ञान सागर धर्मार्थ ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा सभी आगंतुकों का माला एवं दुपट्टा पहनकर कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदीप जैन पीएनसी का मंदिर परिवार द्वारा अभिनंदन किया गया। संत निवास के आठ कमरे के दानदाताओं में विशेष सहयोग दिया। मुख्य राजतमयी कुदाल चलाने का सौभाग्य मनोज जैन हाइडिल परिवार को, फावड़ा चलाने का सौभाग्य नीरज जैन चांदी वाले परिवार, तले तसले से मिट्टी निकलने का सौभाग्य अनिल जैन अहिंसा परिवार को मिला कन्नी से सीमेंट डालने मुख्य शिलान्यास ताम्र यत्र विराजमान करने का सौभाग्य रूपेश जैन एवं के के जैन चांदी वाले परिवार को प्राप्त हुआ एवं वं गैती चलाने का सौभाग्य विजय है। कल्लू भाई परिवार को मिला। इस अवसर पांच पंच परमेष्टि मुख्य शिला, 8 मुख्य शिला विराजमान करने का सौभाग्य कमरा दातार परिवार को मिला, कलश, एवं ताम्र कील, पारा इत्यादि नींव में विराजमान कर मुख्य शिला पूज्य उपाध्याय संघ के सान्निध्य में विराजमान करने का सौभाग्य सभी को प्राप्त हुआ। सभी क्रियाएं मथुरा से पधारे पंडित जिनेन्द्र जी जैन शास्त्री आशुतोष जी जैन शास्त्री सतना के द्वारा मात्र उच्चारण के साथ सम्पन्न कराई गई। सभी भक्तों ने भक्ति भव के इस कार्यक्रम अपने एवं अपने परिवार की ओर से शिला विराजमान करने सौभाग्य प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल द्वारा किया गया कार्यक्रम में शालीमार जैन मण्डल का विशेष सहयोग रहा साथ सभी शालीमार जैन महिला मंदिर, शुभकामना परिवार, एवं समस्त महिला मंडलों एवं ज्ञानोदय क्लब का भी सहयोग रहा। इस अवसर मंदिर व्यवस्था समिति ने सभी उपस्थित भक्तों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राजकुमार गुड्डू, राजू गोधा, जगदीश प्रसाद जैन जैन, सुनील जैन ठेकेदार, अशोक जैन संतावास, संजू गोधा, मुकेश रपरिया, शैलेंद्र रपरिया, रूप सोनी, विशाल जैन लुहाड़िया, चौधरी शैलेंद्र जैन, सुमेर पंड्या, सुनील जैन सुपारी, दीपचंद जैन, एस के जैन, सोमेंद्र जैन, अजीत जैन चांदी वाले, रोजिन जैन, अंकेश जैन, अशोक जैन पवन जैन चांदी, राजकुमार जैन चांदी, मनीषा जैन, संगीता जैन, कल्पना जैन, नलिनी जैन, कविता जैन आदि के समस्त ग्रेटर कमला नगर समाज मौजूद रही।

भगवान मुनि सूवतनाथ अष्ट निवारक महामंत्र का जाप

नौगामा. शाबाश इंडिया। कस्बे में गुरुवार को परम पूज्य पवित्र मति माताजी के सानिध्य में प्रातः आदिनाथ मंदिर, भगवान महावीर समवशरण मंदिर और नसियाजी में भगवान की खड्गासन प्रतिमा का अभिषेक और शांतिधारा की गई। अभिषेक के बाद माताजी के सानिध्य में शांति विधान का आयोजन किया गया। विधान में पंडित रमेश चंद्र गांधी के भक्ति संगीत के साथ बड़े भक्ति भाव से शांति विधान के अर्घ्य चढ़ाए जाए। प्रवक्ता सुरेश गांधी ने बताया कि गुरुवार के दिन सुखखोदय तीर्थ जी में 1008 भगवान मुनि सुवनाथ की प्रतिमा नौगामा निमार्णाधीन जिनालय की मूल बेदी पर विराजमान होनी थी। लेकिन भगवान की प्रतिमा मध्य प्रदेश राज्य के अंतिम छोर तक आने के बाद घटना घटित हो गई और नगर तक नहीं पहुंची। यह कार्यक्रम स्थगित हुआ । उसी के उपलक्ष में आदिनाथ मंदिर जी में शांति विधान के बाद सुखोदय तीर्थ में धर्म प्रेमी बंधुओ द्वारा भगवान मुनिसुव्रत मंत्र का जाप तीर्थ क्षेत्र पर किया गया। आज के दिन प्रतिमा विराजमान होने वाली थी उसी समय 11 बजे मंत्रों का जाप किया गया । साथ ही भगवान से कामना की गई कि शीघ्र नवीन प्रतिमा बनकर आए एवं इस वेदी पर विराजमान हो ऐसी भावना है । पवित्रमति माताजी ने कहा कि घटना दुर्घटनाएं होती रहती है हमें घबराना नहीं है और हम सब भगवान से प्रार्थना करें की अति शीघ्र नई प्रतिमा बनकर आ जाए और शीघ्र वेदी पर विराज मान हो हमारा ऐसा आशीर्वाद है। इस अवसर पर रमेश गांधी ,श्रीपाल नानावटी, सुभाष नानावटी ने अपने विचार रखें । उक्त जानकारी जैन समाज प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी ने दी।

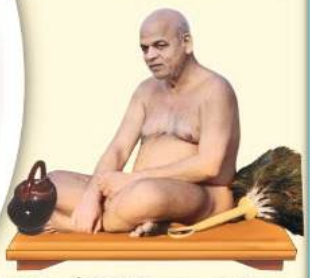

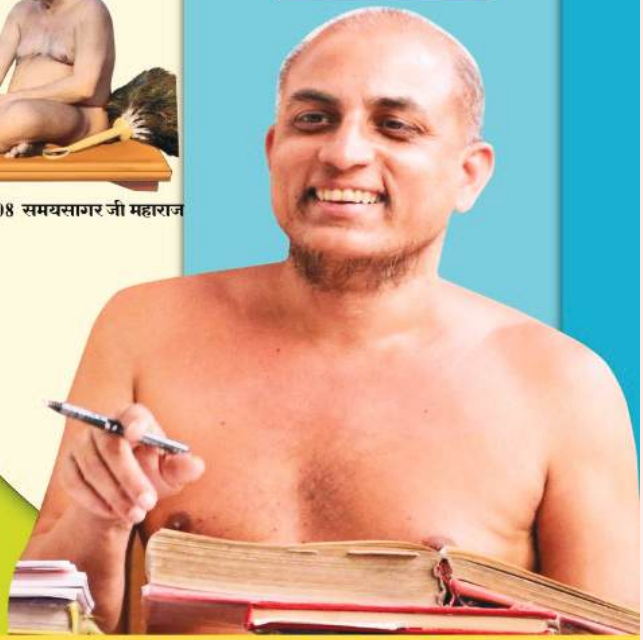

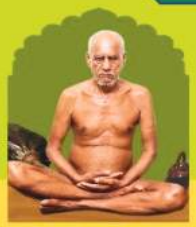

श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर,
मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
श्रीमद् जिनेन्द्र जिनबिम्ब
पंचकल्याणक
प्रतिष्ठा
महामहोत्सव
दिनांक 13 नवम्बर से 17 नवम्बर 2024
स्थान : सामुदायिक केन्द्र से. 9 गोखले मार्ग, मानसरोवर
अर्हं ध्यान योग
मूलनायक 1008 श्री आदिनाथ भगवान
प.पू. संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज
पावन सानिध्य :
प.पू. आचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज
परम पूज्य मुनि श्री 108 विश्ववात्सल्यसागर जी महाराज
परम पूज्य क्षुल्लक श्री 105 अनुनयसागर जी महाराज
परम पूज्य क्षुल्लक श्री 105 सविनयसागर जी महाराज
परम पूज्य क्षुल्लक श्री 105 समन्वयसागर जी महाराज
अभीक्षण ज्ञानोपयोगी , अर्हं ध्यान योगप्रणेता,
मुनि श्री 108 प्रणम्यसागर जी महाराज
बुधवार, 13 नवम्बर 2024 गर्भ कल्याणक
प्रातः 6.30 बजे - देवाज्ञा, गुरु आज्ञा, आचार्य निमंत्रण, घट पूजन, घटयात्रा, जुलूस
प्रातः 7.15 बजे - ध्वजारोहण, मण्डप उद्घाटन, मण्डप शुद्धि, अभिषेक, पूजन, सकलीकरण, इन्द्र प्रतिष्ठा, मंडप प्रतिष्ठा, यागमण्डल विधान
प्रातः 9.00 बजे - पूज्य मुनिश्री की मंगल देशना
दोपहर 12.00 बजे - गर्भकल्याणक की आंतरिक क्रियायें
सायं 3.00 बजे - माता की गोद भराई
सायं 4.00 बजे - मुनिश्री का प्रवचन
सायं 6.00 बजे - आचार्य भक्ति, आरती, सौधर्म इन्द्र एवं महाराजा नाभिराय का दरबार सांस्कृतिक कार्यक्रम
गुरुवार, 14 नवम्बर 2024 जन्म कल्याणक
प्रातः 6.30 बजे - अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, यज्ञ
प्रातः 7.30 बजे - भगवान के जन्मोत्सव की बधाई, प्रथम दर्शन शचि द्वारा, सहस्र नेत्र बनाकर प्रभु दर्शन, सौधर्म इन्द्र द्वारा प्रवचन, जन्म कल्याणक जुलूस, पाण्डुक शिला पर जन्माभिषेक, तीर्थंकर बालक का शृंगार, नामकरण
सायं 6.00 बजे - आचार्य भक्ति, आरती, शास्त्र सभा सौधर्म इन्द्र द्वारा ताण्डव नृत्य, पालना झूलना और बाल क्रीड़ा
शुक्रवार, 15 नवम्बर 2024 तप कल्याणक
प्रातः 6.30 बजे - अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, यज्ञ
प्रातः 8.30 बजे - प्रवचन
दोपहर 1.00 बजे - पाणिग्रहण संस्कार, राज्य तिलक, भेंट समर्पण, असि आदि षट्कर्म, शिक्षा नीति, नीलांजना नृत्य, वैराग्य दीक्षाभिषेक, वनगमन, दीक्षा संस्कार विधि (मुनिश्री द्वारा)
सायं 6.00 बजे - आचार्य भक्ति, आरती, शास्त्र सभा सांस्कृतिक कार्यक्रम
शनिवार, 16 नवम्बर 2024 ज्ञान कल्याणक
प्रातः 6.30 बजे - अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, यज्ञ
प्रातः 8.30 बजे - प्रवचन मुनिश्री का
प्रातः 9.00 बजे - महामुनि की प्रथम आहार चर्या
दोपहर 1.00 बजे - ज्ञान कल्याणक की क्रियायें, प्राण-प्रतिष्ठा सूरिमंत्र के साथ समवशरण की रचना, गणधर रूप विराजमान मुनिश्री की देशना एवं पूजन
सायं 6.00 बजे - आचार्य भक्ति, आरती, शास्त्र सभा सांस्कृतिक कार्यक्रम
रविवार, 17 नवम्बर 2024 मोक्ष कल्याणक
प्रातः 6.30 बजे - अभिषेक, शांतिधारा, पूजन
प्रातः 7.15 बजे - कैलाश पर्वत पर अंतिम दर्शन, मोक्षगमन एवं निर्वाण कल्याणक की पूजन, विश्व शांति महायज्ञ
प्रातः 9.00 बजे - प्रवचन, जुलूस और श्रीजी विराजमान सम्मान एवं आभार व्यक्त
प्रतिष्ठाचार्य
पं. धीरज जी शास्त्री
3100/-रु. में एकल इन्द्र/इन्द्राणी
5100/-रु. इन्द्र-इन्द्राणी
नोट :- उक्त राशि में वस्त्राभूषण, भोजन एवं सामग्री की न्योछावर सम्मलित है।
प्रमुख पात्र बनने के लिए समिति के सदस्यों से सम्पर्क करें।
आप सभी इस मांगलिक कार्यक्रम में सादर आमंत्रित हैं। कार्यक्रम में भाग लेकर पुण्यार्जन करें।
आयोजक
अर्हं चातुर्मास समिति जयपुर-2024
परम शिरोमणी संरक्षक
श्री कंवरीलाल जी अशोक कुमार जी सुरेश कुमार जी विमल कुमार जी पाटनी
(आर.के.ग्रुप मदनगंज-किशनगढ़)
संरक्षक
* श्री नन्द किशोर जी प्रमोद जी पहाडिया
* श्री शीतल जी अनमोल जी कटारिया
श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
अध्यक्ष सुशील पहाड़िया 9928557000
वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बेनाड़ा 9829561399
उपाध्यक्ष तेजकरण चौधरी 9828081698
संयुक्त मंत्री सीए मनोज कुमार जैन 9314503618
कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र कुमार जैन 9828152143
संगठन मंत्री अशोक कुमार सेठी 9828810828
सांस्कृतिक मंत्री जम्बू कुमार सोगाणी 7665014497
मंत्री राजेन्द्र कुमार सेठी 9314916778
सहयोगी संस्थाएँ
श्री आदिनाथ महिला जागृति समिति, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
* अध्यक्ष - सुशीला रॉवका, मंत्री - रश्मि सांगानेरिया, कोषाध्यक्ष - रेणु पाटनी
* आदिनाथ युवा मंडल, मीरा मार्ग जयपुर * विद्यासागर पाठशाला, मीरा मार्ग, जयपुर

नवजात के फेफड़ों को कराया आंतों से मुक्त

शाबाश इंडिया

अन्ता निवासी एक दंपति के बालिका का जन्म हुआ। बालिका के जन्म पश्चात श्वास लेने में परेशानी आ रही थी व पसली चल रही थी। बालिका को पहले बारां के अस्पताल में दिखाया व इलाज लिया फिर आराम नहीं मिलने पर उसे कोटा रेफर किया गया। कोटा में उन्होंने वरिष्ठ शिशु शल्य चिकित्सक डा समीर मेहता से परामर्श ली। डॉ. समीर ने जांच में पाया कि बालिका के बायें फेफड़े के स्थान पर सारी आंत घुसी हुई है व दिल और फेफड़े को दबा रखा है, इसी कारण बालिका को श्वास लेने में परेशानी हो रही थी। उसकी जान बचाने के लिए तुरंत ऑपरेशन करने की सलाह दी जिसे परिजन ने मान लिया। उसका ऑपरेशन वल्लभ बाड़ी स्थित मेहता नर्सिंग होम में हुआ। ऑपरेशन में डा समीर ने पेट से किया व आंतों को फेफड़े के स्थान से बाहर निकाला व पेट में सही स्थान पर जमाया। उसके पश्चात छाती व पेट के बीच मांसपेशियों को सिला मेडिकल भाषा में इसे डाआफ्रग्मैटिक हर्निया रिपेयर कहते है। ऑपरेशन डेढ़ घंटे चला जिसमें निश्चेतना का महत्वपूर्ण कार्य डा जे पी गुप्ता ने सम्भाला व ऑपरेशन पश्चात नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई में डा जसवंत ने वेंटीलेटर पर रख नवजात को खतरे से बाहर निकाला। डा समीर ने बताया कि समय पर शल्य चिकित्सा सेवाएं मिल जाये तो अधिकांश नवजात बच्चों को बचाया जा सकता है। यह बीमारी दस हजार में से एक बच्चे में मिलती है।

ब्रह्मचर्य एक समाधि है जिससे संयम दृढ़ बना रहता है: युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी म.सा.

एएमकेएम में उत्तराध्ययन सूत्र का स्वाध्याय

चैन्नई. शाबाश इंडिया। ब्रह्मचर्य एक समाधि है जिससे संयम दृढ़ बना रहता एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने गुरुवार को उत्तराध्ययन सूत्र के 16वें अध्ययन ब्रह्मचर्य समाधि स्थान की विवेचना करते हुए कहा कि ब्रह्मचर्य का आध्यात्मिक स्वरूप आत्म स्वभाव में रमण करना है। मुनि को शब्द, रुप, रस, गंध, स्पर्श में आसक्त नहीं होना चाहिए। ब्रह्मचर्य का संरक्षित पालन करने वाले मुनि को देव, दानव, गंधर्व, यक्ष, राक्षस आदि नमस्कार करते हैं। उन्होंने कहा एक महत्वपूर्ण बात समझ लेना साधु जीवन के पांच महाव्रत है प्राणातिपात, मृषावाद, अदत्तादान, मैथुन और परिग्रह निरमण। वहां मैथुन निरमण दिया हुआ है और यहां चर्चा ब्रह्मचर्य की हो रही है। गौर करें कि ब्रह्मचर्य हमारा स्वभाव है। मैथुन ज्ञानियों द्वारा उसके लिए दी गई व्यवस्था है। सत्य हमारा स्वरूप है। मृषावाद उसके लिए दी गई व्यवस्था है। ब्रह्मचर्य का अर्थ है स्वरुप का बोध होना, अपने आप में रमण करना। उन्होंने कहा ब्रह्मचर्य की निरंतरता कैसे बन सकती है, वह इस पाठ में दिया हुआ है। ब्रह्मचर्य एक समाधि है जिससे संयम दृढ़ बना रहता है। संवर वह है जो भीतर में आ रहे कर्मों को रोक देता है। वह ब्रह्मचर्य से होता है। समाधि यानी भीतर में चिंता, तनाव की स्थिति नहीं होना। व्यक्ति के अंदर समाधि तभी बनती है जब वह अप्रमत्त है। अगर ब्रह्मचर्य समाधि का ध्यान न रखें तो वह स्वयं को बाहरी आकर्षण से खींचा चला जाता है। ऐसे में उन्माद की स्थिति आ जाती है। वह दीर्घ काल का रोग बन सकता है। केवली धर्म से वह भ्रष्ट हो सकता है। जहां विजातीय तत्व, पशु रहते हैं, मुनि वहां नहीं रहे। ब्रह्मचर्य समाधि की ओर अपने लक्ष्य में आगे बढ़ने का मुख्य स्रोत है ब्रह्मचर्य। जिसने इसका आत्मसात किया, उसका जीवन उत्कृष्ट बन गया। युवाचार्यश्री ने 17वें अध्ययन पाप स्मरणीय के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इसमें शिथिलाचार को छोड़कर सच्चे निर्दोष श्रमण को पालन करने के लिए प्रेरणा दी गई है। सिंह वृत्ति से प्रव्रजित होकर जो सुख, शीतलता के कारण मनचाहा खा- पीकर सोता है, वस्त्र, पात्र का संग्रह करता है, गपशप मारता है, वह अविवेकी, रसलोलुप पाप श्रमण कहलाता है। उन्होंने कहा मुनित्व स्वीकार कर लिया लेकिन उसका आचरण गलत रहता है तो वह पाप श्रमण कहलाता है। यदि श्रुत व विनय की शिक्षा दी जाती है, उन्हीं की वह निंदा, गुस्सा करता है तो इस प्रकार उसे पाप समरणीय कहा गया है। इस प्रकार पांच महाव्रत में दोषों का सेवन करने वाले, केवल मुनि वेश धारण करने वाले, उस मुनि के इहलोक, परलोक दोनों खराब होते हैं। जीवन बिजली के समान चंचल है, ये इहलोक, परलोक में अहित करने वाला है जो कर्म किया है, वह परभव साथ में चलता है इसलिए मोह की आसक्ति को खत्म करना चाहिए। वह नियम, व्रत, साधना, आराधना में आगे बढ़े। हमें भीतर में रही हुई नकारात्मकताएं कम करने वाले इस स्वाध्याय को करना है। कमलचंद छल्लाणी ने सभा का संचालन किया। **-प्रवक्ता सुनिल चपलोत**

दीया माटी का जले

दीया माटी का जले, रौशन हो घर द्वार।
जीवन भर आशीष दे, तुम्हे खूब कुम्हार।।
*
दीया बाती ने किया, प्रेमपूर्ण व्यवहार।
जगमग हुई मुँडेर है, प्रकाशमय घर द्वार ।।
*
दीया -बाती- सी परी, तेरी -मेरी प्रीत।
हर्षित हो उल्लास उर, गाये मिलकर गीत।।
*
दीया में बाती जले, पावन ये व्यवहार।
अन्तर्मन उजियार ही, है सच्चा श्रृंगार।।
*
सदा शहीदों का जले, इक दीया हर हाल।
मने तभी दीपावली, देश रहे खुशहाल ।।
*
दीया- बाती- सा बने, आपस में विश्वास।
चिंता सारी दूर हो, खुशियां करे निवास।।
*
तपती बाती रात भर, लिए अटल विश्वास।
तब जाकर दीया भरे, है आशा उल्लास।।
*
दीये सा जीवन करे, इस जगती के नाम।
परहित हेतु जो है मिटे, जीवन उनका धाम।।
*
दीया माटी का जले, रौशन हो घर द्वार।
जीवन भर आशीष दे, तुम्हे खूब कुम्हार।।

-डॉ सत्यवान सौरभ

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन

कार्यालय : महावीर कीर्ति स्तंभ, रीगल चौराहा, 63, एम.जी. रोड़, इंदौर – 1 (म.प्र.)फोन : 0731–2527483

स्व. श्री प्रदीप कुमार जी कासलीवाल

क्या आप अपने उच्च/सामान्य/शिक्षित/प्रोफेशनल्स/अविवाहित पुत्र/पुत्री एवं तलाकशुदा/विधवा/विधुर हेतु योग्य जीवन साथी के चयन हेतु प्रयासरत है ?
तो आयें और हमारे साथ इस प्रयास में सहभागी बन अपने चयन को पूर्णता प्रदान करें।

प्रथम वर्ष की अपार सफलता के पश्चात् इस वर्ष पुनः

"समाज की बेटी समाज में"

द्वितीय विशाल अन्तर्राष्ट्रीय

जैन युवक युवती परिचय सम्मेलन

दि. : रविवार, 15 दिसम्बर 2024 स्थान : दस्तूर गार्डन, इंदौर

श्रीमती पुष्पा प्रदीप जी कासलीवाल
शिरोमणी संरक्षक

राकेश जैन विनायका
राष्ट्रीय अध्यक्ष

विपुल बांझल
राष्ट्रीय महासचिव

अतुल बिलाला
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

मुख्य सूत्रधार
यश कमल अजमेरा
जयपुर

सूत्रधार
जे.के. जैन
कोटा

ममता जैन
रायपुर

मुख्य संयोजक
प्रदीप गंगवाल, इन्दौर
गो.–9826030053

राजीव गिरधरवाल, गोपाल
गो.–8871713822

प्रशान्त जैन, जबलपुर
गो.– 9425022806

आवेदन जमा करने की अंतिम दिनांक 1 दिसम्बर 24

आवेदन शुल्क ₹ 900/-
(सचित्र कलर A4 पुस्तिका सहित)
कोरियर चार्ज ₹ 150/- अतिरिक्त

ऑनलाईन फार्म जमा करने हेतु वेबसाईट
djsgfshaadi.com
सम्पूर्ण जानकारी हेतु स्केन करें QR CODE

बड़ी साईज में प्रत्याशी विवरण शुल्क : आधा पेज रु. 4000/- एवं पूरा पेज रु. 8000/-

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन,जयपुर

राजेश बड़जात्या
अध्यक्ष

अनिल कुमार जैन
संस्थापक अध्यक्ष

यश कमल अजमेरा
नि. अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय मुख्य सूत्रधार

पारस जैन
कोषाध्यक्ष

निर्मल संघी
महासचिव

सुरेन्द्र पाण्ड्या
रीजन परामर्शक

नवीन सेन जैन
रीजन परामर्शक

अतुल बिलाला
रीजन पूर्व अध्यक्ष

सुनील बज
रीजन कार्याध्यक्ष

सुरेश जैन बांदीकुई
रीजन कार्याध्यक्ष

मुख्य समन्वयक – मनीष जैन सौगाणी , नीरज जैन, अतुल छाबड़ा, बसंत जैन, राजेश चौधरी, रमेश छाबड़ा, मोहन लाल गंगवाल, सुशीला बड़जात्या, रमेश सोगाणी, शकुंतला बिंदायका

समन्वयक – डॉ. राजेन्द्र कुमार जैन, सुरेन्द्र जैन, भारत भूषण अजमेरा,राकेश गोदिका, धनु कुमार जैन, आनन्द अजमेरा, सतीश बाकलीवाल, सुनील बड़जात्या, भागचन्द जैन मित्रपुरावाले, प्रमोद जैन सोनी, राजेन्द्र सेठी, डॉ. इन्द्र कुमार जैन, डॉ. मोहन लाल जैन मणि, सुरेश जैन लुहाड़िया, सुनिता गंगवाल, अनिल टोंग्या, ममता शाह अधिवक्ता, दीपशिखा जैन, चन्दा सेठी, अजीत बड़जात्या, नवल जैन, प्रदीप छाबड़ा, प्रेम चंद छाबड़ा राजेन्द्र छाबड़ा, विमल कोठारी, महेन्द्र छाबड़ा, विजय जैन, ममता गंगवाल, अनिल पाटनी, राकेश जैन

क्षेत्रीय समन्वयक

गंगापुर नरेन्द्र जैन 9413924197	सीकर गजेन्द्र ठोलिया 9414037259	सवाई माधोपुर अरविंद जैन 9414214386 प्रकाश जैन 9414214386,	निवाई विमल जौला पाटनी 8104889200 महावीर प्रसाद पराणावाले 9414204216	अजमेर सपना पटनी 9928409499 अनिता जैन 7014959821	महावीर जी चक्रेश जैन 9166228844 पंडित मुकेश जैन 9828280480
दौसा राजेश कुमार जैन 8562840715	किशनगढ़ सुनील जैन 9829073258	मालपुरा Adv.सुरेन्द्र मोहन जैन 9829609138	भीलवाड़ा प्रदीप चौधरी 9829045687	टोंक गहेन्द्र कुमार जैन 9414851673	जोधपुर अभिषेक चांदीवाल 9829023663
प्रतापगढ़ अंकित जैन 9950498997	अलवर नीरज जैन 9413303364	तिजारा गोपाल जी 9414793365	देवली राजेश अजमेरा (ऊँचावाले) 701449427	भरतपुर कौशल कुमार जैन 9462355863	नासीराबाद शेखर बड़जात्या 9251412625

ऑफलाईन फार्म समन्वयकों के पास उपलब्ध है।

संपर्क सूत्र – 9829067076, 9785074581, 9829844533, 9829220552

इन्दौर के संपर्क सूत्र – 6-2323-2424-6

मेरी भावना अनुशीलन राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी सफलता पूर्वक सम्पन्न, कृतियों का हुआ विमोचन

जीवन शास्त्र है मेरी भावना : मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज

'मेरी भावना' पर मुनिश्री की देशना कृति

मेरी भावना' पर मूर्धन्य मनीषियों ने प्रस्तुत किए शोधालेख

लखनऊ. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से परम पूज्य मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज , मुनि श्री प्रणतसागर जी महाराज के मङ्गल सान्निध्य में श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सआदतगंज लखनऊ में अमृतोद्भव पावसयोग लखनऊ के तत्वावधान में डॉ. श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत के निर्देशन व डॉ. सुनील जैन संचय ललितपुर के संयोजकत्व में 19 व 20 अक्तूबर 2024 को दो दिवसीय 'मेरी...मेरी भावना' अनुशीलन राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। जिसमें देश के मूर्धन्य मनीषी विद्वानों ने अपने आलेख प्रस्तुत किए। 19 अक्टूबर 2024 को प्रातः 8 बजे से संगोष्ठी के उदघाटन सत्र में समागत विद्वानों ने आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज के चित्र का अनावरण व दीप प्रज्ज्वलन किया इसके बाद पाद प्रक्षालन व शास्त्र भेंट किया गया। संगोष्ठी में दो दिन में चार सत्र आयोजित हुए जिसमें 18 विद्वानों ने अपने महत्वपूर्ण आलेख प्रस्तुत किए। संगोष्ठी में डॉ० श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत (अध्यक्ष अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्री परिषद) , डॉ० जयकुमार जैन मुजफ्फरनगर, (अधिष्ठाता श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर, जयपुर) , प्रोफेसर श्रीयांस सिंघई जयपुर (राष्ट्रीय संस्कृत विश्विद्यालय जयपुर सेवानिवृत्त प्रोफेसर) , ब्रह्मचारी जयकुमार निशांत टीकमगढ़ (महामंत्री अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्री परिषद) ,प्रो. अशोक कुमार जैन वाराणसी (अध्यक्ष-अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन विद्वत परिषद), प्रो. अभय कुमार जी जैन लखनऊ (उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश शोध संस्थान लखनऊ) , पंडित विनोद जैन रजवांस (उपाध्यक्ष अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्री परिषद), ब्र. डॉ.अनिल जैन (प्राचार्य आचार्य संस्कृत महाविद्यालय सांगानेर जयपुर), डॉ. विमल जैन जयपुर, प्रो अनेकांत जैन दिल्ली (लाल बहादुर संस्कृत विश्विद्यालय दिल्ली) , पंडित पवन जैन दीवान सागर (उपाध्यक्ष अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्री परिषद) ,डॉ. सुनील जैन संचय ललितपुर (संगोष्ठी संयोजक), राजेन्द्र जैन महावीर सनावद (सह संपादक जैन गजट) , डॉ०पंकज जैन इंदौर (कार्यकारणी सदस्य शास्त्री परिषद-विद्वत परिषद), डॉ. आनंद जैन वाराणसी(सहायक आचार्य काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी) ,डॉ० सोनल कुमार जैन ,(संयुक्तमंत्री अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्री परिषद दिल्ली), डॉ० बाहुबली जैन इंदौर, पं. प्रद्युम्न शास्त्री जयपुर(महामंत्री प्रभावना जनकल्याण परिषद) ,डॉ० राजेश शास्त्री ललितपुर,मनीष विद्यार्थी सागर, पंडित प्रिंस शास्त्री लखनऊ, संदीपकान्त जैन लखनऊ, अखिलेश शास्त्री आदि विद्वद्जन सम्मिलित हुए।

कृतियों का हुआ विमोचन: संगोष्ठी में महत्वपूर्ण कृतियों का विमोचन हुआ जिसमें मुनि श्री सुप्रभ सागर जी महाराज की प्रवचन कृति मेरी ...मेरी भावना , 2023 में उज्जैन में मुनिश्री के सान्निध्य में संपन्न सुरभित मैत्री अनुशीलन राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी की स्मारिका, जैन गजट साप्ताहिक लखनऊ का नया अंक व अहिंसा करुणा का गणाचार्य श्री विरागसागर विनयांजलि विशेषांक का विमोचन विद्वानों द्वारा किया गया।

आयोजन समिति द्वारा विद्वानों का सम्मान: आयोजन समिति द्वारा विद्वानों का भव्य सम्मान चातुर्मास समिति के अध्यक्ष हंसराज जैन, कार्याध्यक्ष जागेश जैन, संयोजक संजीव जैन श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सआदतगंज लखनऊ के अध्यक्ष वीरेन्द्र गंगवाल, महामंत्री प्रमोद गंगवाल, मंत्री मनोज छाबड़ा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विमलचंद बाकलीवाल, धर्मशाला प्रबंधक विकास जैन काला, कोषाध्यक्ष किशन गंगवाल, रितेश रावका, कमल रावका, नीरज जैन, विनय जैन, चित्रा जैन आदि ने किया। आयोजन समिति को संगोष्ठी में प्रस्तुत आलेख भेंट किए गए जो पुस्तिकाकार में प्रकाशित होंगे।

डॉ. सुनील संचय को उत्कर्ष समूह ने किया सम्मानित: इस मौके पर 20 अक्टूबर को उत्कर्ष समूह भारत ने वर्ष 2024 का आचार्य श्री विशुद्धसागर पुरस्कार एवं प्रभावना पुरुषोत्तम उपाधि से डॉ सुनील जैन संचय ललितपुर को उत्कर्ष समूह के अध्यक्ष रवींद्र गहाणकर अमरावती, संयोजक अरविंद बुखारिया उज्जैन आदि तथा विद्वानों ने समारोह पूर्वक अलंकृत किया। इस मौके पर श्रमण मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज ने कहा कि मेरी भावना में हमारा अपना जीवन्त जीवनशास्त्र है। जीवन की आचारसंहिता है। इसमें केवल जैनदर्शन का सार नहीं है, अपितु दुनियाँ के सभी धर्मों का नवनीत समाहित है। यह रचना भाईचारे और साम्प्रदायिक सहिष्णुता का पैगाम है। राष्ट्रीय चरित्र का शिलालेख है। मेरी भावना देश के विकास की इकाई के रूप में गाया गया एक मंगलगान है। यह जाति/धर्म/देश/समाज और भाषा की सीमा से उन्मुक्त, मनुष्य की मनुष्यता का गौरवगान है। इस छोटी सी रचना पर मेरी...मेरी भावना देशना कृति पर देश के मूर्धन्य मनीषियों ने अपने शोधालेख प्रस्तुत कर आलोडन-विलोडन किया। विद्वानों का जैन संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में अविस्मरणीय योगदान है।

मुनिश्री ने एक-एक शब्द के रहस्य को उद्घाटित किया: विद्वानों ने कहा कि पंडित जुगल किशोर जी मुख्तार की अद्भुत, अनुपम, अनूठी, अमर रचना 'मेरी भावना' पर परम पूज्य श्रमण मुनि श्री सुप्रभ सागर जी महाराज ने अपनी प्रवचन श्रृंखला के माध्यम से मेरी... मेरी भावना के रूप में प्रस्तुत किया है। मुनिश्री ने एक-एक शब्द के रहस्य को जहाँ उद्घाटित किया है वहीं अनेक उदाहरणों, श्लोकों, गाथाओं, शास्त्र उदाहरणों, मुक्तक और सूक्ति वाक्यों के माध्यम से इस कृति को जन-जन के लिए पठनीय बना दिया है।

संगोष्ठी में हुए चार सत्र: संगोष्ठी के चार सत्रों की अध्यक्षता क्रमशः डॉ. श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत, डॉ. जयकुमार जैन मुजफ्फरनगर, ब्र. जयकुमार निशान्त टीकमगढ़, प्रोफेसर अशोक कुमार जैन वाराणसी व सत्र संचालन संयोजक डॉ. सुनील जैन संचय ललितपुर, प्रोफेसर अनेकांत जैन दिल्ली, श्री राजेंद्र जैन महावीर सनावद , पंडित विनोद जैन रजवांस ने किया। चार सत्रों में 18 आलेख प्रस्तुत किए गए।

डॉ. सुनील जैन संचय, ललितपुर
संगोष्ठी संयोजक

विधवा मां की लाडो सम्मान के साथ जाएगी अपने ससुराल

जरूरतमंद विधवा महिला की सुपुत्री के विवाह में सहयोग देकर संबल प्रदान किया गया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवम युवा महिला संभाग अजमेर की छतरी योजना इकाई ने बालिका जिसका विवाह आगामी 10 नवंबर को होने जा रहा है तथा जिसकी माता मेहनत मजदूरी करके परिवार की जिम्मेदारी संभाले हुए है ने श्री दिगंबर जैन महासमिति के अध्यक्ष अतुल पाटनी से बेटी के विवाह में सहयोग की अपील की जिसे श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी एवं पार्षद श्रीमती रूबी जैन के मुख्य आथित्य में छतरी योजना स्थित सामुदायिक भवन पर वैवाहिक कार्य में सहयोग किया गया। युवा महिला संभाग अजमेर की अध्यक्ष सोनिका भैंसा ने बताया कि छतरी योजना इकाई की सदस्याओं के सहयोग से सामाजिक सरोकार के अंतर्गत इस जरूरतमंद परिवार की पुत्री के वैवाहिक कार्य में आने वाली सामग्री के साथ विवाह उपरांत गृहस्थ जीवन के कार्य में आने वाली सभी प्रकार की सामग्री देकर सहयोग किया गया। छतरी योजना इकाई की श्रीमती सीमा पांड्या, बीना कासलीवाल, मोना लुहाड़िया ने बताया कि समिति की शिरोमणि संरक्षक रोशनी सोगानी, छतरी योजना इकाई की मधु पहाड़िया, संतोष लुहाड़िया, पूजा बाकलीवाल, विनीता पाटनी, सुनीता सेठी,सुषमा पांड्या,श्वेता कटारिया,तृप्ति बाकलीवाल,शानू जैन, सुनीता पांड्या,वैशाली वेद,भामाशाह हनुमान दयाल बंसल सहित सभी छतरी योजना इकाई की सदस्याओं के सहयोग से जरूरतमंद विधवा माता की सुपुत्री के विवाह में सहयोग देकर संबल प्रदान किया गया। अंत में श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर के अध्यक्ष अतुल पाटनी ने सभी सेवा सहयोगियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

महाराज पृथ्वीराज इंटरस्कूल स्पोर्ट्स टूर्नामेट का आयोजन

13 स्कूलों के स्टूडेंट्स ने खेल के मैदान में एक-दूसरे को दी चुनौती, टूर्नामेट में 5 मैच खेले गए

जयपुर. कासं। महाराज पृथ्वीराज इंटर स्कूल खेल टूर्नामेट का आयोजन महाराजा सवाई मान सिंह स्कूल के खेल परिसर में किया गया। टूर्नामेट की शुरूआत रंगारंग प्रस्तुति के साथ की गई । कार्यक्रम उद्घाटन समारोह की शुरूआत महाराज पृथ्वीराज सिंह को पुष्पांजलि अर्पित करने से हुई, जिसे स्कूल के अध्यक्ष विक्रमादित्य, सचिव महाराज विजित सिंह और प्रिंसिपल ज्योति जोशी द्वारा किया गया। प्रिंसिपल ज्योति जोशी ने मुख्य अतिथि महाराज विजित सिंह का स्वागत एक सम्मान चिन्ह भेंट कर किया। स्कूल प्रिंसिपल ने अपने प्रेरणादायक भाषण में सभी खिलाड़ियों को विजेता बताते हुए खेल के मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने के लिए प्रोत्साहित किया, परिणाम चाहे जो भी हो। इसके बाद खिलाड़ियों को ईमानदारी और खेल भावना की शपथ दिलाई गई।

जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय को मिली जय अंबे समिति की सौगात

चिकित्सालय को भेंट की 40 सुन्दर दीवार घड़ियां

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। जय अंबे समिति बजरंगगढ़ अजमेर द्वारा जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय को 40 सुंदर घड़ियों का योगदान दिया है। यह घड़ियाँ विभिन्न वार्डों में मरीजों के लिए उपयोग हेतु लगाई जाएंगी । समिति के अध्यक्ष राजेश टंडन ने कहा, ₹हमारा उद्देश्य चिकित्सालय के विकास में सहयोग करना है। हमारी टीम सदा अस्पताल के साथ है। चिकित्सालय के प्रधानाचार्य डॉ. अनिल समारिया, अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे और उपाध्यक्ष डॉ. अमित यादव को घड़ियां सौंपी गईं। जय अंबे समिति ने पहले भी चिकित्सालय को वाटर कूलर, फ्रिज, पंखे और मेडिकल उपकरण दान किए हैं। इस के साथ ही दिवाली बाद, समिति नए पीडियाट्रिक ब्लॉक के बाहर मरीज के परिजनों के बैठने के लिए 25 सीमेंट बेंच देने की घोषणा की है। चिकित्सालय प्रशासन ने जय अंबे समिति का धन्यवाद दिया और उनका स्वागत किया।

आओ गांव चलें-सेवा करें को चरितार्थ करते हुए 260 विधार्थियों को गणवेश का वितरण

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर । आवश्यकता अनुरूप सेवा एवं आओ गांव चले सेवा करे को चरितार्थ करते हुए लायंस क्लब्स इंटरनेशनल 3233 ई 2 की शाखा लायंस क्लब अजमेर आस्था एवम लायंस क्लब सुमेरपुर जवाई के संयुक्त तत्वावधान में पाली जिले के सुमेरपुर के अंदरूनी गांव जाखानगर की राजकीय प्राथमिक विद्यालय में शिक्षा के साथ संस्कार ग्रहण करने के लिए आने वाले विद्यार्थियों के लिए गणवेश के साथ पाठ्य सामग्री की सेवा अजमेर के समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल,पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन मधु पाटनी,सुमेरपुर के लायन साथियों के अलावा अन्य भामाशाहों के सहयोग से प्रदान की गई। कार्यक्रम संयोजक प्रांतीय सभापति एवं सुमेरपुर जवाई के वरिष्ठ लायन श्रवण राठी ने बताया कि राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय जाखानगर क्षेत्र की कच्ची बस्ती के 260 छात्र छात्राओं को नवीन गणवेश का वितरण करते हुए धन तेरस ,दीपावली पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई। सुमेरपुर जवाई क्लब के अध्यक्ष हरीश अग्रवाल ने बताया कि वरिष्ठ लायन दिनेश अग्रवाल, एमजेफ लायन सुरेश सिंघल,सामाजिक कार्यकर्ता बाबूलाल सुथार, विद्यालय प्रधानाध्यापक पावन सोलंकी, चित्रा गर्ग एवं अन्य क्लब सहित विद्यालय के स्टाफ ने सेवा वितरण के कार्य में अहम भूमिका निभाते हुए कार्यक्रम को संपन्न कराया।

भगवान महावीर जन-जन के: आचार्य शशांक सागर

भगवान महावीर के 2551वें निर्वाणोत्सव अहिंसा पर्व वर्ष का हुआ उदघाटन, राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने किया उदघाटन

जयपुर. शाबाश इंडिया

पूरे विश्व को जीओ और जीने दो का संदेश देने वाले, जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर विश्व वन्दनीय भगवान महावीर स्वामी के 2551 वें निर्वाण महोत्सव अहिंसा पर्व वर्ष का उदघाटन राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने भगवान महावीर के चित्र का लोकार्पण कर एवं दीप प्रज्जवलन कर किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में जैन बन्धु शामिल हुए। राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं महामंत्री मनीष बैद ने बताया कि राजस्थान जैन सभा जयपुर के तत्वावधान में सकल जैन समाज की ओर से आचार्य शशांक सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में इस 2551 वें निर्वाण महोत्सव अहिंसा पर्व वर्ष का उदघाटन समारोह गुरुवार, 24 अक्टूबर 2024 को नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियां के तोतूका सभागार में दोपहर 2 बजे से 4.00 बजे तक आयोजित किया गया। इस मौके पर राज्यपाल हरीभाऊ बागडे मुख्य अतिथि एवं समाजश्रेष्ठी सुधान्शु कासलीवाल, उमराव मल संघी एवं प्रमोद पहाड़िया विशिष्ट अतिथि थे। इस मौके पर आचार्य शशांक सागर महाराज ने अपने आशीर्वचन में कहा कि भगवान महावीर जन जन के है। आज बहुत ही शुभ दिन है। 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर, 24 तारीख, 24 वा साल है और हरि के हाथों से हरि का काम हो गया। इससे स्पष्ट होता है कि देश समृद्धि एवं खुशहाली की ओर बढेगा। उन्होंने मंदिरों की बिजली का बिल फ्री करने, जैन कल्याण बोर्ड का गठन करने का माननीय राज्यपाल से आव्हान किया। इससे पूर्व राज्यपाल ने अपने उदबोधन में जैन बन्धुओं को भगवान महावीर का 2551 वां निर्वाणोत्सव अहिंसा पर्व वर्ष के शुभावसर के मौके पर बधाई देते हुए कहा कि जैन धर्म में ऋषभदेव से भगवान महावीर तक तीर्थंकरों की परम्परा रही है। भगवान महावीर के सिद्धांत जीओ और जीने दो सहित सत्य अहिंसा, अचौर्य, शाकाहार, ब्रह्मचर्य आज भी प्रासंगिक है। क्षमापना पर्व को भगवान महावीर की देन बताते हुए कहा कि जो क्षमा करता है, वह मन से बड़ा होता है। क्षमा से मन विशुद्ध होता है। उन्होंने महाराष्ट्र के नासिक जिले में स्थित मांगीतुंगी अतिशय क्षेत्र पर स्थापित 108 फीट की एक पत्थर की भगवान आदिनाथ की प्रतिमा का जिक्र करते हुए भारतभूमि को महापुरुषों की भूमि बताया। उन्होंने कहा कि आज का दिन न केवल जैन समाज के लिए बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि महावीर स्वामी ने अपने जीवन के माध्यम से सत्य, अहिंसा, करुणा और अपरिग्रह के जो मूल्य हमें प्रदान किए, वे आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने उस समय थे। भगवान महावीर स्वामी का 2550 वां निर्वाणोत्सव आगामी दीपावली पर सम्पन्न होगा तथा इसी दिन 01 नवम्बर से भगवान का 2551 वां निर्वाणोत्सव वर्ष प्रारंभ हो जाएगा। भगवान महावीर का दिव्य संदेश था कि केवल बाहरी सुखों का त्याग ही मोक्ष का मार्ग नहीं है, बल्कि आंतरिक विकारों का शमन करना और आत्मा को शुद्ध करना ही सच्चा धर्म है। उन्होंने हमें यह सिखाया कि जीवन में अहिंसा ही सर्वोच्च धर्म है और प्रत्येक प्राणी का सम्मान करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। उनके सिद्धांत हमें यह प्रेरणा देते हैं कि हम एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सहानुभूति और आदर का भाव रखें। भगवान महावीर के उपदेश हमें सही मार्ग दिखाते हैं। उनका जीवन एक ऐसा दीपक है जो हमें अपने आचरण और विचारों में शुद्धता और ईमानदारी का प्रकाश प्रदान करता है। उनके द्वारा दिए गए पंच महाव्रत–अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह–सभी के लिए पथ-प्रदर्शक हैं। भगवान महावीर के आदर्शों का पालन कर हम सभी एक सशक्त, शांति और सद्भावना से पूर्ण समाज का निर्माण करें। यह महोत्सव हम सभी को आत्म-चिंतन करने और अपने जीवन में उनके सिद्धांतों को आत्मसात करने की प्रेरणा देता है। इससे पूर्व उन्होंने आचार्य शशांक सागर महाराज को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन ने स्वागत उदबोधन के माध्यम से राजस्थान जैन सभा द्वारा की जा रही समाजोपयोगी गतिविधियों पर प्रकाश डाला एवं राज्यपाल महोदय से छात्रावास एवं समाज के उपयोग के लिए राज्य सरकार से शीघ्रातिशीघ्र भूमि आवंटन करवाने की मांग करते हुए लिखित में पत्र दिया। इस मौके पर राजस्थान जैन सभा के सुभाष चन्द जैन, दर्शन जैन बाकलीवाल, मनीष बैद, विनोद जैन कोटखावदा,राकेश छाबड़ा, प्रदीप जैन,अमर दीवान खोराबीसल, अशोक पाटनी, निर्मल कासलीवाल,राजीव पाटनी, अनिल छाबडा, राकेश गोधा, सुभाष बज, जिनेन्द्र जैन जीतू, अशोक जैन नेता, महेश काला, सहित समाज की विभिन्न संस्थाओं की ओर से माननीय राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े का अभिनन्दन किया गया। सभा के मंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि भगवान महावीर का 2550 वां निर्वाणोत्सव वर्ष पूर्ण होने जा रहा है। शुक्रवार दिनांक 1 नवंबर को भगवान महावीर के 2551 वें निर्वाण महोत्सव की मंगल बेला प्रारंभ होगी और यह वर्ष भगवान महावीर का 2551 वां निर्वाण महोत्सव वर्ष कहलाएगा। सभा के महामंत्री मनीष बैद एवं मंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने उदघाटन समारोह का मंच संचालन करते हुए बताया कि जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ से लेकर वर्तमान शासन नायक 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की देशना के माध्यम से संपूर्ण जगत में अहिंसा का मार्ग प्रशस्त है। अहिंसा के प्रणेता जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर ने शब्दों कर्म और विचारों में अहिंसा पर बल दिया है। विश्व शांति की स्थापना में एवं समस्त राष्ट्रों के परस्पर संबंधों के सुधार में यह 2551 वां निर्वाणोत्सव वर्ष बहुत ही प्रभावशाली सिद्ध होगा। इस मौके पर समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों, गणमान्य श्रेष्ठीजनों, मंदिर कमेटियों के प्रतिनिधि, महिला मण्डलों , युवा मण्डलों, जैन सोश्यल ग्रुपों, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुपों के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में जैन बंधु शामिल हुए। समारोह की मंच व्यवस्था मनीष बैद, विनोद जैन कोटखावदा, सुभाष बज, चेतन जैन निमोडिया आदि ने सम्हाली।

" भारतीय संस्कृति के संवर्द्धन में आचार्य विद्यासागर महामुनिराज का अवदान " विषय पर महावीर नगर में तीन दिवसीय राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी हुई शुरू

आचार्य विद्यासागर में जीवन और मरण को समता के साथ जीने की पराकाष्ठा थी : प्रणम्य सागर महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया। संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हं ध्यान योग प्रणेता मुनि 108 प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में महावीर नगर में " भारतीय संस्कृति के संवर्धन में आचार्य विद्यासागर महामुनिराज का अवदान" विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय विद्वत संगोष्टी श्री दिगंबर जैन मंदिर महावीर नगर में प्रारंभ हुई। अध्यक्ष अनिल जैन एवं मंत्री सुनील बज ने बताया कि संगोष्ठी का प्रथम सत्र श्रेयांश कुमार की अध्यक्षता में सुबह 8:00 बजे प्रारंभ हुआ, जिसमें धर्मेंद्र शास्त्री ने अपने आलेख में बताया कि आचार्य श्री मानव हित एवं देश हित हमेशा चिंतन करते थे। प्राणी के स्वास्थ्य के लिए भाग्योदय चिकित्सा, बालिकाओं को लौकिक और अलौकिक ज्ञान देने के लिए प्रतिभास्थली, हर प्राणी के प्रति जीव दया के लिए दयोदय गौशाला, लघु उद्योगों को बढावा देने के लिए हस्तकरघा जैसे उपक्रम की प्रेरणा दी। खतौली से पधारी डॉ. ज्योति जैन ने बताया कि आचार्य श्री कहते थे स्वतंत्रता संग्राम में जैन समुदाय के योगदान बताने के लिए प्रमाणिक साक्ष्य एकत्रित करें जिससे हमारी भूमिका क्या थी यह बताया जा सके। उनकी प्रेरणा से स्वतंत्रता संग्राम में जैन जैसा साहित्य हम बना सके। अर्हम ध्यान योग प्रणेता मुनि 108 प्रणम्य सागर महाराज ने कहा कि आचार्य श्री कहते थे कि आप व्याकरण पर ज्यादा जोर मत दो। साहित्य पढ़ो। आचार्य श्री हर प्राणी के स्वास्थ्य के लिए काफी चिंतन करते थे। उनमें जीवन और मरण को समता के साथ जीने की पराकाष्ठा थी ।उन्होंने अपना पूरा जीवन मरण की साधना करते हुए निकाल दिया। आचार्य श्री ने एक नया चिंतन अशुभोपयोग पर दिया कि जो राष्ट्रीयता के विपरीत चलता है वह सबसे बड़ा अशुभोपयोग है। इस संगोष्ठी में भाग लेने के लिए देश के विभिन्न क्षेत्रों से विद्वान आये हैं। जिसमें राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित प्रोफेसर फूलचंद शास्त्री, अखिल भारतीय विद्वत परिषद के पूर्व अध्यक्ष जयकुमार, छतरपुर से विनोद शास्त्री आदि पधारे। इन सबको एक मंच पर लाने का कार्य श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर से प्रारंभ से जुड़े प्राचार्य शीतल प्रसाद ने किया। सभा का संचालन प्रोफेसर अनेकांत जैन ने किया। इससे पूर्व छीतरमल भूरामल बस्सीवाले परिवार के जम्बू कुमार, दर्शन ,नवीन कुमार , धर्मेश बाकलीवाल बस्सीवाले ग्रीन नगर,जयपुर परिवार ने चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेट का सौभाग्य प्राप्त किया। इस मौके पर मन्दिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अनिल जैन, उपाध्यक्ष दर्शन बाकलीवाल , मंत्री सुनील बज, सह मंत्री पवन जैन तिजारा वाले, कोषाध्यक्ष गिरीश बाकलीवाल, समाजश्रेष्ठी शीतल कटारिया, सुरेंद्र पांड्या, जस्टिस एन के जैन,हरिश चन्द धाडूका, अशोक गंगवाल, राजेश गंगवाल, पदम पाटनी, सुधीर कासलीवाल नमन वास्तु, आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मीरा मार्ग के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया, मंत्री राजेन्द्र सेठी, सीए मनोज जैन, अरुण श्रीमाल, अशोक छाबड़ा, अरुण पाटोदी, विजय झांझरी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। मंत्री सुनील बज ने बताया कि महावीर नगर के दिगम्बर जैन मंदिर में शुक्रवार को प्रातः 7.30 बजे से संगोष्ठी का प्रथम सत्र शुरू होगा। प्रातः 8.30 बजे मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होंगे। दोपहर में द्वितीय सत्र तथा सायंकाल 6.30 बजे से तृतीय सत्र में विद्वतजन चर्चा करेंगे। मीडिया प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में 26 अक्टूबर को संगोष्ठी का समापन होगा। इस मौके पर सभी विद्वानों का प्रबंध समिति की ओर से सम्मान किया जाएगा। 27 अक्टूबर को दोपहर में जैन डाक्टर्स कांफ्रेंस, 28 अक्टूबर को प्रातः 9.15 बजे महावीर नगर में मंदिर का भूमि पूजन एवं शिलान्यास होगा। मुनि संघ का 29 अक्टूबर तक महावीर नगर में ही प्रवास रहेगा। **-विनोद जैन कोटखावदा**

राजस्थान जैन सभा द्वारा आयोजित 'अहिंसा पर्व वर्ष 2551' का राज्यपाल ने शुभारंभ किया

सभी भगवान महावीर के अहिंसा आदर्श को अपनाते हुए कार्य करें: राज्यपाल

जयपुर. कासं। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि भगवान महावीर ने अहिंसा, अपरिग्रह और मानव मात्र ही नहीं जीव जंतुओं तक के प्रति करूणा रखते कार्य करने का जो संदेश दिया वह आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने 'अहिंसा' पर्व पर उनके जिएं और जीने दो के संदेश से सीख लेते हुए सभी को मानवता के लिए कार्य किए जाने पर जोर दिया। बागडे गुरूवार को राजस्थान जैन सभा द्वारा आयोजित 'अहिंसा पर्व वर्ष 2551' के शुभारंभ समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर के निर्वाण महोत्सव को आगामी 1 नवम्बर 2024 को 2500 वर्ष पूर्ण हो जाएंगे। यह समय उनकी शिक्षाओं को आगे बढ़ाते हुए भारत के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करने का है। राज्यपाल बागडे ने जैन धर्म में तीर्थंकरों की परम्परा की चर्चा करते हुए कहा कि भगवान महावीर ने युगीन संदर्भों में जीवन के आदर्श की राह दिखाई। उन्होंने कहा कि उनके अहिंसा, अपरिग्रह एवं अनेकांत के आचरण को अपनाने, सभी के प्रति मन–वन कर्म से शुद्ध रहते हुए जीवन जीने की शिक्षा को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। इससे पहले राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन ने 'अहिंसा पर्व' मनाए जाने की कार्ययोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राज्यपाल ने आरंभ में जैन मुनिगण को प्रणाम निवेदित कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने भगवान महावीर के निर्वाणोत्सव को 'अहिंसा पर्व' रूप में मनाने की पहल की सराहना की।

दिवाली पर रोशनी का जादू, पिंकसिटी में 180 करोड़ खर्च कर जगमगाएंगे घर

जयपुर. कासं

पिंकसिटी में दिवाली के अवसर पर घरों को सजाने और रोशनी करने के लिए बाजार में खरीदारी का सिलसिला शुरू हो गया है। इस बार दिवाली पर राजधानी में लगभग 180 करोड़ रुपए की लागत से घर- आंगन जगमगाने की तैयारी है। घरों में रोशनी और सजावट पर औसतन 3000 रुपए खर्च किए जा रहे हैं। राजधानी के 60 फीसदी से अधिक घरों में दिवाली पर रोशनी होगी। लोग डेकोरेटिव लाइट्स से अपने घरों को सजाएंगे। बाजार में स्मार्ट लाइट्स की कीमत 150 से 1500 रुपए और फैंसी लाइट्स की कीमत 25 से 400 रुपए तक है। इस प्रकार दिवाली सजावट पर लोग इस बार करीब 180 करोड़ रुपए खर्च करेंगे। व्यापारी भी लाइट्स के कारोबार को 200 करोड़ रुपए तक पहुंचने की उमीद कर रहे हैं। शहर में 6000 से अधिक दुकानें खुली हैं। नमें से 4000 बिजली सामान की हैं जबकि 2000 से अधिक लोग सीजनल दुकानें लगाते हैं। दिवाली की तैयारियों में यह खरीदारी काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। साधारण फिक्सल एलईडी लाइट से घर को सजाने पर औसतन 1500 से 2000 रुपए तक खर्च आता है। वहीं डिजिटल और वाटरप्रूफ लाइट से सजावट करने पर यह खर्च 5000 से 8000 रुपए तक पहुंच सकता है।